आधुनिक भारत का इतिहास

पुस्तक अध्ययन- आवश्यक निर्देश

By Manikant Singh

प्रिय अभ्यर्थियों,

पुस्तक अध्ययन की भी एक अलग चुनौती है, परन्तु आरम्भ में छात्र उसे समझ नहीं पाते। उत्साह से वे एक के बाद दूसरी पुस्तक का संग्रह करते हैं, परन्तु कुछ ही पृष्ठों के अध्ययन के पश्चात् उन्हें प्रायः दो चुनौतियों का सामना करना पड़ता है-प्रथम, जो वे पढ़ रहे हैं उसे वे समझ नहीं पा रहे हैं, अपितु बस कुछ घटनाओं एवं तिथियों का संग्रह कर रहे होते। दूसरे, जिन थोड़े-बहुत तथ्यों का संग्रह भी किया जाता है, वे मस्तिष्क में टिक नहीं पाते तथा शीघ्र ही लुप्त हो जाते हैं। इसलिए नीचे पुस्तकों के नाम के साथ कुछ विशिष्ट चैप्टर एवं पढ़ने के निर्देश दिए जा रहे हैं, आप उनका गंभीरता से अनुपालन करें-

पुस्तकों की सूची-

1. **हमारे अतीत - III :** यह कक्षा 8 के लिए नयी एन.सी.ई.आर.टी. की आधुनिक भारत के इतिहास की पाठ्य पुस्तक है। इसमें कुल 10 चैप्टर हैं। आपको पी.डी.एफ. के रूप में विभिन्न चैप्टर पर प्रश्न बनाकर भेज दिए गए हैं। आप उन प्रश्नों के आलोक में कक्षा के साथ-साथ इस पुस्तक का अध्ययन कीजिए। आप कक्षा के साथ चलेंगे, तब यह आपको विशेष रूप से समझ में आएगी।

2. **आधुनिक भारत का इतिहास (बिपिन चन्द्र द्वारा लिखित):** यह पहले आधुनिक भारत पर 12वीं कक्षा की पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तक रही थी, परन्तु अब उसे स्वतंत्र रूप से एक संक्षिप्त पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

   अगर किसी भी विषय पर कक्षा-8 की पुस्तक से आगे बढ़कर आप थोड़ा अतिरिक्त जानना चाहते हैं, तो आप इसका सम्पूर्णता में अथवा इसके खण्ड विशेष का अध्ययन कर सकते हैं।

3. **भारतीय इतिहास के कुछ विषय (भाग - 3):**- यह कक्षा-12 के लिए नई एन.सी.ई.आर.टी. की इतिहास की पाठ्य पुस्तक है। इसमें कुल 6 चैप्टर हैं। ये सभी बेहतरीन हैं तथा टॉपिक पर व्यापकता से जानकारी देते हैं। आप इस पुस्तक को कक्षा में संबंधित चैप्टर को समाप्त करने के पश्चात् पढ़ें, तो आपको अधिक लाभ मिलेगा।

4. **भारत का स्वतंत्रता संघर्ष (लेखक-प्रोफेसर बिपिन चन्द्र एवं मृदुला मुखर्जी, आदित्य मुखर्जी, के.एन. पणिक्कर, सुचेता महाजन):** यह अंग्रेजी में लिखित है। परन्तु 'हिन्दी माध्यम कार्न्यान्वय निदेशालय' के द्वारा हिन्दी अनुवादित है। इस पुस्तक से कुछ चुने हुए चैप्टर आप पढ़ सकते हैं। ये इस प्रकार हैं-

- अध्याय - 6 : सामाजिक-धार्मिक सुधार एवं राष्ट्रीय जागरण
- अध्याय - 8 : प्रेस की आजादी के लिए संघर्ष
- अध्याय -11 : कांग्रेस-विभाजन तथा क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का उद्भव
- अध्याय - 15 : असहयोग आंदोलन, 1920-22
- अध्याय - 20 : भगत सिंह, सूर्यसेन तथा क्रांतिकारी राष्ट्रवाद
- अध्याय - 22 : सविनय अवज्ञा आंदोलन, 1930-31
- अध्याय - 24 : वामपंथ का उद्भव
- अध्याय - 29 : देशी रियासतों में आजादी की लड़ाई
- अध्याय - 35 : भारत छोड़ो आन्दोलन तथा आजाद हिन्द फौज
- अध्याय - 37 : आजादी और भारत का विभाजन
- अध्याय - 40 : भारत पर औपनिवेशिक शासन का प्रभाव

(उपर्युक्त अध्यायों को कब तथा कैसे पढ़ना है इसका निर्देशन कक्षा में दिया जाएगा)

5. **आधुनिक भारत का इतिहास - एक नवीन मूल्यांकन (लेखकः- बी.एल. ग्रोवर, अलका मेहता एवं यशपाल)** - इसमें कुछ चुने हुए टॉपिक को प्रिलिम्स परीक्षा को ध्यान में रखकर पढ़ा जा सकता है। ये अध्याय कक्षा समाप्त होने के पश्चात् पढ़े जा सकते हैं। निम्नलिखित अध्यायों पर गौर करने की जरूरत है -

- अध्याय - 24 : लिटन तथा रिपन के अधीन भारत
- अध्याय - 29 : भारत में शिक्षा की वृद्धि तथा विकास का इतिहास
- अध्याय - 31 : सांस्कृतिक जागरण, धार्मिक एवं सामाजिक सुधार
- अध्याय - 32 : आधुनिक भारत में निम्न जातीय आंदोलन
- अध्याय - 37 : किसानों के विद्रोह तथा कृषक आंदोलन
- अध्याय - 38 : अकाल नीति का विकास
- अध्याय - 39 : भारत में स्थानीय स्वायत्त शासन का विकास
- अध्याय - 40 : कंपनी शासन के अधीन संविधान का विकास
- अध्याय - 41 : भारत में प्रतिनिधि सरकार का विकास
- अध्याय - 43 : उत्तरदायी सरकारी की ओर - II

(**निर्देशः** *अगर आप चाहें तो इस पुस्तक को छोड़कर किसी गाइड बुक की सहायता से प्रिलिम्स की तैयारी कर सकते हैं।*)

धन्यवाद।